सोमवार
33 साल से देहरादून का विश्वास
07 अप्रैल 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 68
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

बस पलटी, बच्चे सहित दो की मौत

14 यात्री घायल, घायलों का हाल जानने अस्पताल पहुंचे एससपी

हमारे संवाददाता

देहरादून। सड़क दुर्घटना में आज दोपहर एक बस के सड़क पर पलट जाने से जहां एक बच्चे सहित दो लोगों की मौत हो गयी वहीं 14 यात्री गम्भीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतक व घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां घायलों की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

मामला सहसपुर के सिघंनीवाला क्षेत्र का है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज दोपहर 112 के माध्यम से थाना सहसपुर पुलिस को सूचना मिली कि सिघंनीवाल क्षेत्र में एक बस सड़क में पलटकर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए थाना सहसपुर से पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुँचा तथा राहत एवं बचाव कार्य प्रारम्भ किया गया।

मौके पर पुलिस द्वारा स्थानीय लोगों की सहायता से बस में फंसे घायलों को बाहर निकालकर तत्काल उपचार हेतु ग्राफिक ऐरा अस्पताल भिजवाया गया। जहाँ डॉक्टर द्वारा बस सवार 1 व्यक्ति तथा एक बच्चे को मृत घोषित किया गया।

दुर्घटना मे 14 लोग घायल हुए है, जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। दुर्घटनाग्रस्त बस विकासनगर से देहरादून की ओर आ रही थी, जो सिहनीवाला के पास सामने से आ रहे एक लोडर वाहन से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना के सूचना एसएसपी देहरादून तत्काल घटनास्थल को रवाना हुए। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

दून वैली मेल

संपादकीय

विभाजन की राजनीति

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि वह मरते दम तक जाति-धर्म और क्षेत्र के नाम पर विभाजनकारी राजनीति करने वालों को कामयाब नहीं होने देंगे। निश्चित तौर पर सीएम धामी के यह विचार हमारे संविधान की मूल भावना को पोषित करने वाले हैं। लेकिन उनके इन विचारों की सार्थकता क्या है। देश में आज कोई भी नेता या दल ऐसा नहीं है जो यह स्वीकार करें या कहे कि हम जाति-धर्म और क्षेत्रवाद की राजनीति करते हैं। सभी दल और नेता एक दूसरे पर विभाजनकारी और तुष्टिकरण की राजनीति के आरोप लगाते हैं लेकिन जमीनी हकीकत यही है कि बीते कई दशकों से लगातार देश में सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति ही हो रही है। देश में हिंदू-मुस्लिम और मंदिर तथा मस्जिद के अलावा अगर कुछ और हो रहा है तो वह आरक्षण का मुद्दा है। जिस पर जातिवाद की राजनीति हावी है अभी हाल में ही उत्तराखंड में देसी और पहाड़ी के जिस मुद्दे को लेकर हंगामा शुरू हुआ था वह क्या है क्या वह विभाजनकारी राजनीति नहीं है? मुख्यमंत्री धामी को यह भी बताना चाहिए कि यह विभाजनकारी राजनीति कर कौन रहा है। संसद में अभी जो वक्फ बिल पारित हुआ है उसे लेकर देश के तमाम राज्यों में धरने-प्रदर्शन और आंदोलन हो रहे हैं। समूचा विपक्ष इसके विरोध में खड़ा है यही नहीं सरकार के सहयोगी दलों के नेताओं द्वारा ताबड़तोड़ इस्तीफे दिए जा रहे हैं। जिससे केंद्र की भाजपा सरकार भी असहज दिखाई दे रही है। सरकार के सहयोगी दलों पर इस कदर दबाव बढ़ चुका है कि उन्हें यह समझ नहीं आ रहा है कि वह अपनी पार्टी को बचाए या केंद्र की सरकार को। हालात इतनी नाजुक हो गए हैं कि स्थिति आगे कुआं और पीछे खाई जैसी है। देश व समाज में जाति-धर्म और क्षेत्रवाद की राजनीति ने नफरत और अलगाववाद की लहर पैदा कर दी है कि लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित है। एक तरफ बात होती है सबका साथ और सबका विकास और सबके विश्वास की तो वहीं दूसरी तरफ बात होती है बंटोगे तो कटोगे। सवाल यह है कि कौन बांट रहा है और कौन काट रहा है इससे भी बड़ा सवाल है कि क्यों बांट रहा है? देश का आम आदमी मेहनत मजदूरी करके किसी तरह शांति से रहना और अपना तथा अपने परिवार का गुजारा भर करना चाहता है। लेकिन राजनीतिक दल और नेता कभी उन्हें डराते हैं और धमकाते हैं तो कभी जाति धर्म तथा क्षेत्रीय आधार पर उन्हें एक दूसरे के खिलाफ भड़काते हैं। उनकी विभाजनकारी नीतियों के पीछे उनका सिर्फ एक ही एजेंडा है बाटों और राज करो। उत्तराखंड में भी कुछ ऐसी विभाजनकारी हरकतें तेजी से उभरती दिख रही है। जिन्होंने सूबे की भाजपा को डराना शुरू कर दिया है। भाजपा नेताओं को कहीं इन्हीं ताकतों से डर तो नहीं सता रहा है जिसे लेकर सीएम धामी कह रहे हैं कि विभाजनकारी ताकतों को कामयाब नहीं होने देंगे। इस सत्य को कोई नकार नहीं सकता है कि लोहा ही लोहे को काटता है तथा आप जो फसल बोएंगे वही आपको काटने पर भी पड़ेगी। बबूल के पेड़ पर आम लगने की उम्मीद तो आप नहीं कर सकते हैं।

गोरखा समाज को मिलेगा सम्मानः महेंद्र भट्ट

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। गोरखा समाज का एक प्रतिनिधि मंडल भाजपा गोरखा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक अभिषेक शाही के नेतृत्व में राज्य सभा सांसद व भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट से मिलकर एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें उत्तराखंड में 'गोरखा कल्याण परिषद' गठन कर गोरखा समाज को प्रदेश सरकार में प्रतिनिधित्व दिलवाने का व गोरखा समाज के लम्बित विभिन्न मांगों को राज्य सरकार से शीघ्र पूरा कराने को कहा गया।

इस अवसर पर प्रकोष्ठ की मीडिया प्रभारी श्रीमती प्रभा शाह ने कहा कि जहां एक और केंद्र सरकार द्वारा अपने घोषणा पत्र के अनुसार अभी दो दिन पूर्व ही गृह मंत्रालय द्वारा देश की राजधानी दिल्ली में गोरखा जनप्रतिनिधियों के साथ गोरखाओं की समस्याओं को लेकर गृह राज्य मंत्री संग एक बैठक की गई है वहीं उत्तराखंड में भी लाखों गोरखा समाज धामी सरकार से आश लगाए बैठा है। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि शीघ्र ही 'गोरखा कल्याण परिषद' का गठन किया जाएगा और समाज की समस्याओं के निराकरण का भी प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा गोरखा प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक कैप्टन दिनेश प्रधान,महानगर संयोजक राजेंद्र शाह,सह संयोजक एडवोकेट वरुण क्षेत्री, ऋषिकेश जिला संयोजक पंडित गोविन्द प्रसाद,विकासनगर जिला संयोजक राजेश प्रदान विजेंद्र थापा आदि कई गोरखा जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री की नीतियों से तीस करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकलेः मुख्यमंत्री

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार की नीतियों से बीते एक दशक में देश भर में करीब 30 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकल चुके हैं।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार की नीतियों से बीते एक दशक में देश भर में करीब 30 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकल चुके हैं। देहरादून में आयोजित केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दो दिवसीय चिंतन शिविर को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने यह बात कही।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमारे राज्य के लिए गौरव का विषय है कि यहां सामाजिक न्याय जैसे महत्वपूर्ण विषय पर राष्ट्रीय स्तर का चिंतन शिविर आयोजित किया जा रहा है। ये चिंतन शिविर बाबा साहब अंबेडकर तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे मनीषियों के चिन्तन का विस्तार भी है। इस शिविर में आयोजित होने वाले संवाद से भविष्य में अपनायी जाने वाली सामाजिक सशक्तिकरण की नीतियों का रोडमैप तैयार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में आज देश में "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मूलमंत्र के साथ कार्य किया जा रहा है। पहले कई दशकों तक देश में समाज कल्याण विभाग कुछ गिने-चुने कार्यों तक ही सीमित माना जाता था। परंतु नरेंद्र मोदी के प्रधान सेवक बनने के बाद अपनाई गई नीतियों और योजनाओं से बीते एक दशक में देश के करीब 30 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज देश में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा एक ओर देश में बुजुर्गों, विधवाओं एवं दिव्यांगजनों को विशेष पेंशन देकर उनका जीवन स्तर सुधारा जा रहा है, वहीं छात्रों को छात्रवृत्ति देकर उन्हें अपना भविष्य उज्जवल बनाने का अवसर भी दिया जा रहा है। इसी तरह विभिन्न योजनाओं एवं नीतियों के माध्यम से स्वरोजगार और उद्यमिता को प्रोत्साहित कर अति पिछड़े वर्ग को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। नशे की लत से पीड़ित लोगों के लिए जागरूकता कार्यक्रम और पुनर्वास केंद्रों का संचालन भी किया जा रहा है। इसी तरह अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के बच्चों को कक्षा 1 से लेकर बारहवीं तक छात्रवृत्ति देने के साथ ही उनके लिए निशुल्क 15 छात्रावास, 5 आवासीय विद्यालय तथा 3 आईटीआई भी संचालित की जा रही हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग और प्रतिमाह छात्रवृत्ति भी प्रदान की जा रही है।

अपने आचरण और सेवा में सुधार करने की आवश्यकताः खण्डूड़ी

संवाददाता

कोटद्वार। विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण ने कहा कि आज सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन आवश्यकता है कि हम अपने आचरण और सेवा में सुधार करें ताकि यह संस्था और अधिक समय तक जनसेवा करती रहे।

उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष, श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण, ने कोटद्वार स्थित गढ़वाल मोटर्स ऑनर यूनियन लिमिटेड के सभागार में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। यह कार्यक्रम यूनियन के नवगठित संचालक मंडल के गठन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। अपने संबोधन में विधानसभा अध्यक्ष ने नवगठित संचालन मंडल को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए ईमानदारी, एकजुटता और सेवा भावना से कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि गढ़वाल मोटर्स ऑनर यूनियन, जो वर्ष 1943 से सतत रूप से संचालित हो रही है, हमारे पर्वतीय क्षेत्र की एक गौरवशाली संस्था है। इसे संजोना और आगे बढ़ाना हम सभी का परम कर्तव्य है। श्रीमती खण्डूडी ने कर्मचारियों को अपने आचरण में शालीनता, तथा बसों की स्वच्छता बनाए रखने का आग्रह किया।

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

गढ़वाली फिल्म मेरी प्यारी बोई का रिलॉन्च 11 अप्रैल को

संवाददाता

देहरादून। गढ़वाली की पहली डिजिटल फीचर फिल्म मेरी प्यारी बोई का आगामी 11 अप्रैल को देहरादून की सिल्वर सिटी मॉल में रिलॉन्च रिलॉन्च होगा।

फिल्म के निदेशक मुकेश धस्माना ने राजपुर रोड स्थित एक होटल में मीडिया से बातचीत में उक्त घोषणा करते हुए कहा कि 2004 में जब मेरी प्यारी बोई का फिल्मांकन किया गया था उस वक्त उत्तराखंड में कोई डिजिटल सिनेमा हाल नहीं था और उस वक्त कृष्णा पैलेस सिनेमा हाल में डिजिटल प्रोजेक्टर लगाकर इस फिल्म को दिखाया गया था। किंतु राज्य के अन्य शहरों में इस फिल्म का फिल्मांकन नहीं हो पाया इसलिए अब एक बार पुनः इस फिल्म में मामूली संशोधन कर इसे आगामी ग्यारह अप्रैल को रिलॉन्च किया जाएगा। मुकेश ने बताया कि मेरी प्यारी बोई पहाड़ की महिला के जीवन उसकी पीड़ा संघर्ष पर केंद्रित है और फिल्म में पहाड़ की सबसे बड़ी समस्या पलायन पर एक संदेश देने का प्रयास है। मुकेश धस्माना ने कहा कि उनको उम्मीद है कि फिल्म लोगों को पसंद आएगी और वे भविष्य में इस प्रकार की और फिल्में भी बनाएंगे। उन्होंने बताया कि आगामी 11 अप्रैल को फिल्म की रिलॉन्चिंग के समय फिल्म की मुख्य अभिनेत्री निवेदिता बौठियाल, धीरज रावत, संतोष खेतवाल आदि भी उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर मुकेश धस्माना के छोटे भाई और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना, फिल्म के एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर मनीष यादव, फिल्म के प्रमुख कलाकार धीरज रावत, मिहिर दोषी भी उपस्थित रहे।

भविष्य में राजनीति का केंद्र बिंदु बनेगा परिसीमन

अरविंद कुमार सिंह

दक्षिण के राज्य तमिलनाडु से 2०26 के परिसीमन को लेकर आरंभ हुआ विरोध अब देशव्यापी रूप लेने लगा है। संसद भवन परिसर में 2० मार्च को डीएमके सांसदों ने परिसीमन मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया और उनको अन्य कई विपक्षी दलों का साथ मिला है। दक्षिणी राज्यों की ओर से मांग उठ रही है कि परिसीमन 2०26 की जगह 2०31 में कराया जाना चाहिए। फिलहाल जो तस्वीर दिख रही है, उससे लगता है कि परिसीमन को लेकर उठ रहा सवाल भविष्य में राजनीति का केंद्रबिंदु बनेगा और इसमें दक्षिण ही नहीं, कई अन्य प्रांतों की ओर से भी सवाल उठेंगे जिन्होंने जनसंख्या पर प्रभावी नियंत्रण किया है। पर परिसीमन को लेकर दक्षिणी राज्यों में चिंताएं बाकी प्रांतों से अलग हैं। उनको लगता है कि अगर केवल जनसंख्या को आधार बना पर परिसीमन होगा तो उनकी राजनीतिक शक्तियां सीमित होंगी। उत्तर भारत के वे प्रांत और प्रभावी होंगे जो जनसंख्या में अव्वल हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 82, 17०, 33० और 332 के तहत लोक सभा, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन को प्रशासित किया जाता है। संविधान में व्यवस्था है कि हर 1० वर्ष पर जनगणना और उससे हासिल आंकड़ों के आधार पर एक दशक में परिसीमन होगा। 1951 से लेकर 1971 के दशक में ऐसा होता रहा। 2००1 में निर्वाचन क्षेत्र की सीमाओं का पुनः निर्धारण हुआ पर लोक सभा और राज्य विधानसभाओं में सीटों की कुल संख्या अपरिवर्तित रही, क्योंकि तब भी दक्षिणी राज्यों का मुखर विरोध सामने आया था। अटलजी के प्रधानमंत्रीकाल में 2००1 में तय किया गया कि 2०26 तक सीटें नहीं बढ़ेंगी। इस तरह देखें तो मौजूदा सीटें 1971 के आधार पर निर्धारित हैं, जब देश की आबादी केवल 54 करोड़ थी, लेकिन उसमें भी राज्य स्तर पर बहुत सी भिन्नताएं पाई गई हैं। उत्तर प्रदेश को तब भी अधिक प्रतिनिधित्व मिला था जबकि महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और केरल से लेकर हरियाणा तक को निम्न प्रतिनिधित्व मिला था। उस दौरान बाद में जब परिसीमन 25 सालों के लिए रोक दिया गया तो परिकल्पना थी कि 2०26 तक उत्तर भारतीय राज्य आबादी पर प्रभावी नियंत्रण कर लेंगे। लेकिन हुआ उलटा। दक्षिणी राज्यों ने आबादी पर प्रभावी नियंत्रण किया और यहां तक कि कुछ की जनसंख्या वृद्धि दर नकारात्मक तक हो गई। पर उत्तरी राज्यों में आबादी में बेलगाम वृद्धि हुई। अब तक 2०21 की जनगणना भी नहीं हो सकी है, लिहाजा परिसीमन के लिए 2०11 का आधार भी बने तो भी दक्षिणी राज्यों को भारी नुकसान होगा। अभी जो मोटे आंकड़े सामने आ रहे हैं उनके हिसाब से परिसीमन होने पर मौजूदा लोक सभा की 543 सीटों में 2०० और इजाफा होगा। कुल 75० सीटें में उत्तर के हिस्से में कुल 4०० सीटें हो जाएंगी, जबकि मौजूदा दक्षिण भारत की 129 सीटों में महज 1० से 12 की वृद्धि हो सकेगी। लोक सभा की सीटें अगर 888 होंगी तो सबसे बड़ा फायदा उत्तर प्रदेश को ही मिलेगा, जो पहले से ही देश का भाग्यविधाता राज्य बना हुआ है। अगर पैमाना 2०26 की आबादी का आंकड़ा हो तो उत्तर प्रदेश की सीटें 8० से बढ़ कर 143 हो जाएंगी जबकि बिहार की 79, महाराष्ट्र की 76, कर्नाटक की 41, तमिलनाडु में 49। आलम यह होगा कि केरल की एक भी सीट नहीं बढ़ेगी। इसलिए तमिलनाडु राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बनता जा रहा है। वहां के मुख्यमंत्री स्टालिन ने मुख्यमंत्रियों और राजनीतिक दलों के नेताओं की 22 मार्च को बैठक बुलाई है जिसमें कई दलों के नेताओं का प्रतिनिधित्व होगा। उन्होंने पहले भी प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया का विरोध करने हुए राज्यों के मुख्यमंत्रियों और प्रमुख दलों के नेताओं से समर्थन मांगा है। इसके पहले इसी माह चेन्नई में सर्वदलीय बैठक में बहुत से सवालों पर मंथन हुआ। 2०26 तक देश की आबादी 142 करोड़ होगी। उस हिसाब से विभिन्न राज्यों में सीटों की कैसी वृद्धि होती है, यह भविष्य का सवाल है। पर सबसे अधिक फायदा उत्तर प्रदेश को होगा। फिर भी मोदी सरकार ने नये संसद भवन में सांसदों को बैठने के लिए लोक सभा चैंबर में 888 और राज्य सभा में 384 सीटों को भविष्य के हिसाब तैयार करा दिया है। पुराने भवन में लोक सभा चैंबर में 545 और राज्य सभा में 245 सीटें थीं। संविधान के तहत तहत 17 अप्रैल, 1952 को जब पहली लोक सभा का विधिवत गठन हुआ था तब सांसदों की संख्या 499 थी। सातवें संविधान संशोधन अधिनियम, 1956 के तहत तब सांसदों की अधिकतम संख्या उस दौरान पांच सौ तय हुई थी जो 31वें संविधान संशोधन 1973 में बढ़ा कर 525 हुई। फिर गोवा, दमण और दीव पुनर्गठन के बाद 53० हुई। फिलहाल राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के 543 लोक सभा सांसद हैं। राज्य सभा सांसदों की संख्या 1952 में 2०4 तय हुई थी जो 1966 में बढ़ कर 228 और 1987 में 233 होते हुए फिलहाल 245 है। इसमें 12 सांसद राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत हैं। अब सवाल कई हैं। जैसे सरकार किस साल की जनगणना को आधार बना कर सीटों का परिसीमन कराएगी। परिसीमन आयोग इसके लिए बनाना होगा जो तय मानकों के हिसाब से सीटों की संख्या का राज्यवार निर्धारण करेगा, जिसकी संविधान संशोधन विधेयक के माध्यम से संसद के दोनों सदनो में दो तिहाई के बहुमत के साथ मंजूरी दिलानी होगी। 2०23 में भावी परिसीमन को लेकर लोक सभा में कुछ सवाल उठे थे जिसका सरकार ने गोल मोल जवाब दिया था। संख्या या आयोग के बारे में कोई सटीक जानकारी नहीं दी गई थी। मई, 2०23 में एम के स्टालिन ने 2० दलों को एक साथ जुटा कर जातिगत जनगणना के पक्ष में काफी माहौल बनाया था। 2०24 के लोक सभा चुनाव में सामाजिक न्याय का मुद्दा प्रमुखता से उठा था। इस बार परिसीमन का मुद्दा अहम बनने जा रहा है। हालांकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह फरवरी में ही कह चुके हैं कि दक्षिणी राज्यों को कोई नुकसान नहीं होगा, पर सरकार अभी तक किसी ठोस प्रस्ताव तक नहीं पहुंची है। इस कारण बहुत से मुद्दे अभी उठेंगे और राजनीति गरमाएगी।

गर्मियों में किस तरह से मेकअप करना चाहिए ?

गर्मियों के दौरान इस तरह से करें मेकअप, नहीं रहेगा इसके फैलने का डर गर्मियों में पसीने के कारण मेकअप फैल जाता है, जिसके चलते चेहरे का पूरा लुक बिगड़ जाता है। इसके अलावा, कई मेकअप प्रोडक्ट्स पसीने के साथ मिलकर आपकी त्वचा को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। हालांकि, अगर सही मेकअप प्रोडक्ट्स को चुनें और उन्हें सही तरीके से लगाते हैं तो इनके फैलने कि संभावना काफी कम हो सकती है। आइए जानते हैं गर्मियों में किस तरह से मेकअप करना चाहिए ताकि आपको इससे कोई परेशानी न हो।

सबसे पहले चेहरे पर सीरम और सनस्क्रीन लगाएं

अधिकतर लड़कियां और महिलाएं यह सोचकर गर्मियों के दौरान चेहरे को मॉइश्चराइज करने से बचती हैं कि इससे उन्हें और ज्यादा पसीना आएगा, लेकिन यह त्वचा के लिए बहुत जरूरी है। इसलिए अपने चेहरे को माइल्ड क्लींजर से साफ करने के बाद हाइड्रेटिंग गुणों से समृद्ध फेस सीरम लगाएं, फिर अपनी त्वचा को हानिकारक यूवी किरणों से बचाने के लिए कम से कम एसपीएफ5० वाला हल्की जेल बेस्ड सनस्क्रीन लगाएं।

चेहरे पर प्राइमर लगाना है जरूरी

गर्मियों के दौरान मेकअप की शुरूआत फेस प्राइमर से करना अच्छा है। हालांकि, इस बात का ध्यान रखें कि बाजार में कई तरह के फेस प्राइमर मौजूद हैं और ऐसे में गलत प्राइमर को चुनने की संभावना बढ़ जाती है। बेहतर होगा कि आप अच्छे ब्रांड के ही प्राइमर का इस्तेमाल करें। इसके अलावा, जब भी आप प्राइमर खरीदें तो अपनी त्वचा के प्रकार और जरूरतों को जरूर ध्यान में रखें।

फाउंडेशन की जगह बीबी क्रीम से बनाएं मेकअप बेस

फाउंडेशन भले ही कितना भी महंगा या गुणवत्ता पूर्ण हो, चेहरे पर पसीना आते ही उसके फैलने की संभावना रहती ही है। इसलिए बेहतर होगा कि आप गर्मियों के दौरान फाउंडेशन की जगह बीबी क्रीम से मेकअप बेस बनाएं। यह क्रीम त्वचा को मॉइश्चराइज करने के साथ-साथ सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से भी बचाने में मदद कर सकती है। वहीं, अगर आपकी चेहरे पर मुंहासे हो रखे हैं तो इन्हें छुपाने में भी बीबी क्रीम बेस्ट है।

इन मेकअप टिप्स को भी जरूर अपनाएं

अगर आप मेकअप के दौरान कॉम्पैक्ट पाउडर लगाती हैं तो गर्मियों के दौरान इसे न लगाएं। इसके अतिरिक्त, पाउडर ब्लश की जगह क्रीम ब्लश चुनें और चेहरे के जिस भी हिस्से को आप हाइलाइट करना चाहते हैं तो उस पर ब्रोंजर का इस्तेमाल करें। इसके बाद अपने मेकअप को लंबे समय तक बरकरार रखने के लिए चेहरे पर मेकअप सेटिंग स्प्रे का छिड़काव करें। अंत में होंठो पर न्यूड शेड की लिपस्टिक लगाएं।(आरएनएस)

सब्जी काटने के कारण फट-कट गए हैं हाथ तो काम आएगा सरसो का तेल

सब्जियों को कितना ही ध्यान से काटा जाए, हालाँकि फिर भी एक समय पर इनकी वजह से हाथों का फटना शुरू हो जाता है। कई बार हम काफी देर तक सब्जिया काटते हैं तो हाथ कट-फट जाते हैं। आप सभी ने इन समस्याओं को झेला होगा और एक बार नहीं बल्कि कई बार। हालाँकि इससे बचाव के लिए इन ट्रिक्स को आजमाएं जो हम आपको बताने जा रहे हैं।

कुछ सब्जियां जैसे कटहल की वजह से हाथों में खुजली होने लगती है। ऐसे में सब्जियों से होने वाली खुजली से बचने के लिए इन्हें काटने से पहले हाथों में सरसों का तेल लगाएं और बाद में गुनगुने पानी से इसे रिमूव करें। आपको लाभ होगा।

हाथों की देखभाल में वैसलीन लगाना बहुत अच्छा माना जाता है। जी हाँ और इस तरीके को आपको रात को अपनाना है। आप रात को सोने से पहले हाथों को अच्छे से धोएं और उन्हें सूखाकर इन पर वैसलीन की मसाज करें।

सब्जियों का दाग: कुछ सब्जियां ऐसी होती हैं, जिनके दाग लगने की वजह से हाथ ड्राई होने लगते हैं। जी हाँ और इसको हटाने के लिए बार-बार साबुन की जगह एक बार धोएं और फिर हाथों पर ऑलिव ऑयल लगाएं। ऐसा करने से हाथों को सॉफ्ट और खूबसूरत बनाया जा सकता है।

लोगों में यह एक मिथ बना हुआ है कि स्क्रब करने से हाथों और ड्राई हो सकते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। जी दरअसल हफ्ते में एक बार दही, ओट्स और शहद से हाथों की स्क्रबिंग करें। ये तरीका उन्हें सॉफ्ट बनाने के साथ-साथ खूबसूरत भी बनाएगा।

टैटू बनवाने के बाद भूल से भी न करें ये गलती वरना...

दुनियाभर में कई लोग टैटू बनवाते हैं। हालाँकि टैटू बनवाते समय आपको थोड़ा सहना पड़ता है, लेकिन आपका काम यहीं खत्म नहीं होता है। दरअसल टैटू बनवाने के बाद भी उसकी अच्छी देखभाल करना जरूरी है। कई बार ऐसा देखा जाता है कि लोग टैटू बनवा लेते हैं, लेकिन फिर वे इसकी परवाह नहीं करते और उसके बाद टैटू में खुजली, दर्द और सूखापन नजर आता है। हालाँकि टैटू बनवाने के बाद त्वचा को ठीक होने में लगभग एक सप्ताह का समय लगता है और अगर इस दौरान टैटू का ध्यान रखा जाए तो ड्राईनेस से लेकर खुजली जैसी समस्याओं से आसानी से बचा जा सकता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं टैटू बनाने के बाद किन बातों का ध्यान रखे।

मॉइस्चराइज जरूर करें- यह पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम है। हालाँकि टैटू बनवाने के बाद कम से कम एक हफ्ते तक उस जगह को मॉइश्चराइज रखना बहुत जरूरी है। हालाँकि टैटू क्षेत्र को बहुत अधिक या बहुत कम मॉइस्चराइज़ करने से बचें। जी दरअसल अधिक मॉइस्चराइजिंग आपकी त्वचा के छिद्रों को अवरुद्ध कर

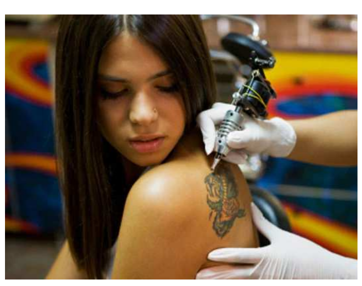

सकती है और ब्रेकआउट का कारण बन सकती है। आप टैटू वाली जगह पर वैसलीन, मॉइस्चराइजर या लोशन की एक पतली परत लगाएं।

छिलने न दें- कुछ लोग यह गलती करते हैं कि जब टैटू बनवाते हैं, तो आपकी त्वचा की ऊपरी परत पांच से सात दिनों में छिलने लगती है। जी हाँ और ज्यादातर लोग इसे खुद ही निकाल देते हैं। हालाँकि आपको वास्तव में ऐसा नहीं करना चाहिए। दरअसल जब आप अपनी त्वचा को छीलते हैं (यह होममेड पील ऑफ मास्क त्वचा के लिए सबसे अच्छा है), तो यह न केवल आपके टैटू को हल्का करता है, बल्कि यह त्वचा की शुष्कता को भी बढ़ाता है। ऐसे में आपको थोड़ा धैर्य दिखाने की जरूरत है ताकि आपकी त्वचा अपने आप छिल जाए।

स्वच्छता का ध्यान रखें- टैटू बनवाने के बाद हाइजीन का भी खास ख्याल रखना जरूरी है। अगर आप स्वच्छता पर ध्यान नहीं देते हैं, तो इससे न केवल त्वचा का रूखापन बढ़ता है, बल्कि संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। इस वजह से अगर आपके घर में पालतू जानवर हैं, तो अपने टैटू को चाटने की कोशिश न करें।

साबुन से बचें- टैटू बनवाने के बाद करीब एक हफ्ते तक त्वचा में बदलाव आता है। ऐसे में इस दौरान त्वचा रूखी हो जाती है और अगर टैटू वाली जगह पर साबुन लगाया जाए, तो उसके सूखने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

मोरिंगा के फूलों में छिपा हैं सेहत का राज, जानिए इसके हैरान करने वाले फायदे

मोरिंगा या सहजन का पेड़ सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। मोरिंगा एक ऐसा पेड़ है जो अपने औषधीय गुणों के लिए मशहूर है। जिसके हर हिस्से में औषधीय गुण होते हैं। इसकी पत्तियां, फल, बीज और फूल सभी स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। मोरिंगा के फूल विशेष रूप से कई बीमारियों को ठीक करने में मदद करते हैं। ऐसे में आइए जानते है मोरिंगा फूल के सेवन से होने वाले फायदे-

मोरिंगा के फूल के फायदे -

मोरिंगा के फूल डायबिटीज के मरीजों के लिए बड़ा फायदेमंद होते हैं। मोरिंगा के फूल में ऐसे गुण होते हैं जो ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। इसके सेवन से इंसुलिन का उत्पादन बढ़ता है, जिससे डायबिटीज को नियंत्रित करने में मदद मिलती हैं।

मोरिंगा के फूल विटामिन और अन्य एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जो इम्यूनिटी को मजबूत करने में मदद करते हैं, इसके सेवन से शरीर बीमारियों से लड़ने के लिए अधिक मजबूत रहता है।

सहजन के फूलों में भरपूर मात्रा में पोटेशियम होता है, जो हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखता है। इससे हार्ट संबंधी समस्याओं को दूर रखा जा सकता है। इसके अलावा, इन फूलों में कोलेस्ट्रॉल और फैट कम होता है। इसलिए इनके सेवन से दिल दुरुस्त रहता है।

अगर आप अपने डाइजेशन को ठीक रखना चाहते हैं, तो डाइट में सहजन के फूलों को शामिल करें। इसमें मौजूद विटामिन-क्रपेट से जुड़ी समस्याओं जैसे कब्ज, एसिडिटी, गैस आदि को दूर करता है। इसके अलावा, इसमें मौजूद फाइबर पेट के लिए अच्छा होता है।

मोरिंगा के फूलों में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद करते हैं। यह गठिया और अन्य सूजन संबंधी बीमारियों में राहत देता है।

विटामिन-सी और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर सहजन के फूल कोल्ड-फ्लू और कई तरह इंफेक्शन्स से बचाता है। सहजन के एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुण अस्थमा, खांसी, घरघराहट और सांस से जुड़ी अन्य समस्याओं को कम करते हैं।

अब फ्रिज से भी ज्यादा कूल-कूल रहेगा आपके मटके का पानी!

गर्मी के मौसम की शुरुआत हो गई है इस मौसम में हर कोई बढ़ रहे तापमान से निजात पाने के तरीके खोज रहे है। वहीं पर गर्मियों में हर किसी को ठंडे पानी की तलब रहती है इसलिए वे ठंडे पानी की तलाश करते है। फ्रिज का पानी मिल पाना हर किसी के नसीब में नहीं होता है खासकर बैचलर के लिए। कई बार लाइट नहीं रहे तो शायद ही आपको फ्रिज का ठंडा पानी नसीब हो। इन सभी चीजों से हटकर हमारा देसी तरीका यानि मटके का पानी आज लोकप्रिय है। मटके का पानी सेहत के साथ गर्मी के तापमान के लिए भी बेस्ट होता है। ऐसे में इस मौसम में अगर आप मटके का पानी हमेशा के लिए ठंडा रखने की सोच रहे है तो आज हम आपको खास ट्रिक्स के बारे में जानकारी देंगे।

यहां पर आप मटका का पानी कूल करने के लिए यहां पर बताई जा रही ट्रिक को आजमा सकते है जो इस प्रकार है, इसके लिए आपको एक चम्मच नमक और एक चम्मच सफेद सिरके की जरूरत होगी।

नमक में सिरका मिलाकर एक पेस्ट तेयार कर लें।

अब, मटके को अच्छी तरह गीला कर हाथों की मदद से तैयार पेस्ट को इसपर रगड़ें और कुछ देर के लिए छोड़ दें।

करीब 5 से 7 मिनट बाद हाथों से रगड़ते हुए मटके को धो लें और फिर इसमें पानी भरकर रखें।

इतना करने पर आप देखेंगे कि पहले के मुकाबले मटके में मौजूद पानी ज्यादा ठंडा रहेगा।

ये ट्रिक कैसे करती काम

यहां पर गर्मी के मौसम में अगर आप मटके का पानी पी रहे है और इस प्रकार की ट्रिक अपनाई है तो इसका काम बड़ा ही आसान होता है। यहां पर मटके की सतह पर बहुत छोटे-छोटे छिद्र होते हैं जिससे पानी का वाष्पीकरण होता रहता है. इसी वजह से मटके के अंदर का पानी ठंडा रहता है। कई बार ये छिद्र बंद हो जाते हैं. ऐसे में नमक और सिरका इन्हें वापस खोलने में मदद करता है. अगली बार मटके का पानी पीते समय आप भी इस आसान ट्रिक को आजमाकर देख सकते हैं। इस खास ट्रिक से आपको फायदा मिलता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सोने से पहले ज़रूर करें यह काम, बुढ़ापे तक रहेंगे दांत मजबूत, नहीं लगेंगे कीड़े, बदबू से भी मिलेगा छुटकारा

दांतों में पीलापन, दांतों में सड़न, पायरिया, मसूड़ों में खून आना, दांतों में कीड़ा लगना एक आम समस्या है। अगर दांतों में एक बार कीड़ा लग जाए तो दर्द से हालत खराब होने लगती है। जैसा कि,आप जानते है कि दांतों का दर्द बहुत ज्यादा तकलीफ देता है। दांतों में कीड़ा लगने के कई कारण होते हैं।इनमें एक कारण यह भी है कि अगर रात को आप मीठा बहुत ज्यादा खाते हैं और ब्रश करके नहीं सोते हैं तो दांतों में कीड़ा लग जाता है। अगर आपके भी दांतों में कीड़ा लग जाता है तो हम आपको यहां कुछ उपाय बता रहे हैं, जिन्हें करके आप अपने दांतों को कीड़ा लगने से बचा सकते हैं।

सोने से पहले हर हाल में करें ब्रश

अगर दांतों को कीड़ा लगाने से बचाना है तो सोने से पहले ब्रश करने की आदत डालें। रोजाना ब्रशिंग और फ्लॉसिंग करना बेहद जरूरी है। इससे दांतों में जमा होने वाले बैक्टीरिया और प्लाक को हटाया जा सकता है। सोने से पहले आप अपने दांतों को साफ करते रहें तो इस समस्या से दांतों को बचा सकते हैं। इसलिए, सोने से पहले ब्रश करने की आदत को अपनी दिनचर्या का हिस्सा जरूर बनाएं।

दांतों की नियमित जांच

दांतों की जांच करवाना भी बहुत जरूरी है। दांतों की जांच इसलिए भी जरूरी है कि जब आपके दांत में कोई परेशानी शुरू होती है तो आपको इसके बारे में पता चल जाता है। इस वजह से आप अपने दांतों के लिए बेहतर उपचार ले सकते हैं।

लौंग से भी मिलता है फायदा

दांतों को कीड़ा लगने से बचाने के लिए लौंग का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर, हर रोज आप एक लौंग चबा लें तो आपके दांत मजबूत होते हैं और दांतों में कीड़ा भी नहीं लगता है।

नियमित दंत चिकित्सक से जांच कराना महत्वपूर्ण है। इससे दांतों में कीड़ा या अन्य समस्याओं का पता लगाया जा सकता है और उनका इलाज किया जा सकता है। इन उपायों को अपनाकर आप दांतों में कीड़ा और मुंह से बदबू की समस्या से बच सकते हैं।

तुलसी का करें उपयोग

दांतों को कीड़ा लगने से बचाने के लिए तुलसी का उपयोग करने से मुंह में जमा होने वाले बैक्टीरिया को पूरी तरह से खत्म किया जा सकता है। तुलसी की पत्तियों को चबाने से मुंह से बदबू की समस्या भी कम हो सकती है। अगर, रोजाना आप तुलसी की पत्तियां चबा लें तो आपके दांत स्वस्थ रहते हैं।

माउथवॉश का करें उपयोग

मुंह से बदबू की समस्या से बचने लिए माउथवॉश का उपयोग कर सकते हैं। माउथवॉश का उपयोग करने से मुंह में जमा होने वाले बैक्टीरिया को हटाया जा सकता है। इससे मुंह से बदबू की समस्या भी कम हो सकती है। हमेशा माउथवॉश जरूर रखें और जब कभी मीठा खाएं तो माउथवॉश का प्रयोग जरूर करें।

शब्द सामर्थ्य -85

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

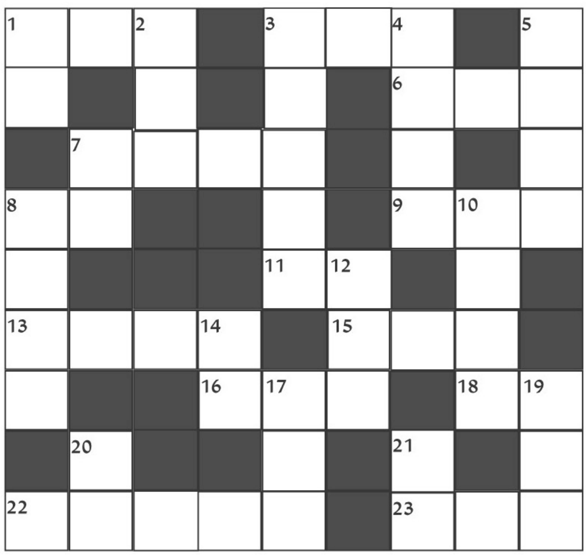

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 84 का हल

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	दी	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना					ज	
मा	ह		रा		सा	ज	न	
न		स	ह	दे	व		म	द
व		म		व	न	ज		ल
ता	क	त	व	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

राजकुमार राव की भूल चुक माफ की नई रिलीज तारीख का ऐलान

अभिनेता राजकुमार राव को पिछली बार फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह औंधे मुंह गिरी।

आने वाले समय में राजकुमार एक से बढ़कर एक फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। भूल चुक माफ भी इन्हीं में से एक है। इसमें उनकी जोड़ी पहली बार अभिनेत्री वामिका गब्बी के साथ बनी है। अब निर्माताओं ने इस फिल्म की रिलीज को टाल दिया है। भूल चुक माफ 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों को सिनेमाघरों होने वाली थी, लेकिन अब निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज को टाल दिया है। इस फिल्म के लिए दर्शकों को थोड़ा इंतजार करना होगा। फिल्म की नई रिलीज तारीख सामने आ गई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, अब भूल चुक माफ को 9 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जा सकता है। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। भूल चुक माफ के निर्देशन की कमान करण शर्मा ने संभाली है, वहीं दिनेश विजान इसके निर्माता हैं। फिल्म की टीजर पहले ही रिलीज हो चुका है, जो कॉमेडी और सस्पेंस से भरपूर है।

भूल चुक माफ के अलावा राजकुमार के पास फिल्म टोस्टर भी है, जिसके निर्देशन की कमान विवेक दास चौधरी ने संभाली है। इसमें उनकी जोड़ी अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा के साथ बनी है। यह फिल्म जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी।

फिल्म रेड 2 1 मई को रिलीज होगी

काफी समय से अजय देवगन अपनी आगामी फिल्म रेड 2 को लेकर चर्चा में हैं, जिसके निर्देशन की कमान राज कुमार गुप्ता ने संभाली है। इस फिल्म में अजय की जोड़ी वाणी कपूर के साथ बनी है, जिसमें पहली बार देखा जाएगा। रितेश देशमुख भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। अजय के बाद अब रेड 2 से रितेश की पहली झलक सामने आ गई है, जिसमें वह एक नेता की भूमिका में नजर आ रहे हैं। अजय ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, कानून का मोहताज नहीं, कानून का मालिक है दादा भाई। यह फिल्म 1 मई. 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। रेड 2 साल 2018 में आई फिल्म रेड का सीक्वल है। इसमें 1980 के दशक में सरदार इंदर सिंह के घर पर पड़े आईटी विभाग की छापेमारी की सच्ची कहानी दिखाई गई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 153 करोड़ रुपये कमाए थे। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।

नुसरत भरुचा की फिल्म छोरी 2 ओटीटी पर रिलीज होगी

नुसरत भरूचा इन दिनों अपनी फिल्म छोरी 2 को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है। दरअसल, छोरी 2 की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। यह फिल्म 11 अप्रैल 2025 को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। छोरी 2 का पहला वीडियो सामने आ गया है, जो हॉरर और सस्पेंस से भरपूर है। नुसरत की अदाकारी की खूब तारीफ हो रही है। अमेजन प्राइम वीडियो ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, एक बार फिर... वो खेत, वो खतरा, वो खौफ। फिल्म में नुसरत एक बार फिर साक्षी के किरदार में दिखाई देंगी। उनके साथ अभिनेत्री सोहा अली खान भी नजर आएंगी। छोरी 2 के निर्देशन की कमान विशाल फुरिया ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है। छोरी 2 2021 में आई फिल्म छोरी का सीक्वल है। अब लगभग 4 साल बाद फिल्म का दूसरा भाग आ रहा है।

सारा अली खान की मेट्रो... इन दिनों को मिली नई रिलीज तारीख!

पिछली बार सारा अली खान फिल्म स्काई फोर्स में वीर पहाड़िया के साथ नजर आई थीं। इस फिल्म में सारा की अदाकारी की खूब तारीफ हुई और बॉक्स ऑफिस पर भी इसने अच्छा प्रदर्शन किया था।

अब सारा जल्द ही फिल्म मेट्रो... इन दिनों में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग बसु कर रहे हैं।

आखिरकार अब निर्माताओं ने मेट्रो... इन दिनों की नई रिलीज तारीख का ऐलान कर दिया है। आइए बताते हैं यह फिल्म कब रिलीज होगी। पहले मेट्रो... इन दिनों 13 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब निर्माताओं ने इसकी रिलीज तारीख में बदलाव किया है।

इस फिल्म के लिए दर्शकों को लंबा इंतजार करना होगा। अब यह फिल्म 4 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों का रुख करेगी। सारा के साथ मेट्रो... इन दिनों में आदित्य रॉय कपूर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन, अनुपम खेर, अली फजल और फातिमा सना शेख जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। भूषण कुमार इसके निर्माता हैं।

कियारा आडवाणी ने 'टॉक्सिक' के लिए काफी मोटी रकम ली

महंगी अभिनेत्रियों में शामिल हुई कियारा आडवाणी, टॉक्सिक के लिए ली इतनी फीस

दक्षिण भारतीय निर्माता अपनी फिल्मों को उत्तर भारत में सफलता दिलाने के लिए फिल्म में हिन्दी नायक-नायिकाओं को लेकर निर्माण कर रहे हैं। बॉबी देओल एनिमल के बाद दक्षिण भारत में पसन्दीदा खलनायकों में शामिल हो गए हैं। उन्हें वहाँ से लगातार फिल्में मिल रही हैं, जो दक्षिण के साथ-साथ उत्तर भारत में भी अच्छा कारोबार कर रही हैं। सनी जाट नामक फिल्म ला रहे हैं जिसका निर्माण व निर्देशन दक्षिण भारतीय फिल्मकारों का है।

साउथ वाले हिंदी सिनेमा की हीरोइन्स को बॉलीवुड वालों से ज्यादा और अच्छी फीस दे रहे हैं। बीते दिनों खबर आई थी कि 1000 करोड़ के बजट में बन रही एक फिल्म के लिए मेकर्स ने प्रियंका चोपड़ा को 30 करोड़ की मोटी रकम फीस के तौर पर दी है। इस फिल्म में महेश बाबू लीड रोल में हैं और एसएस राजामौली इसे डायरेक्ट कर रहे हैं। माना जा रहा है कि इतनी बड़ी रकम प्रियंका को फिल्म में विलेन बनने के लिए दी गई है। इसी बीच अब ये खबरें आ रही हैं कि कियारा आडवाणी को 'टॉक्सिक' के लिए काफी मोटी रकम दी गई है।

कियारा आडवाणी और यश की बड़े बजट की पैन-वर्ल्ड फिल्म 'टॉक्सिक' लंबे वक्त से सुर्खियों में हैं। फिल्म से जुड़े अपडेट्स पर फैन्स की निगाहें जमी रहती हैं। कियारा ने इंडस्ट्री में कई हिट फिल्में दी हैं, लेकिन उनकी पिछली फिल्म गेम चेंजर ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। वहीं मां बनने की खबर सभी के साथ शेयर करने के बाद कियारा ने फरहान अखुतर की 'डॉन 3' भी छोड़ दी है। इसके बावजूद, कियारा मेकर्स की भरोसेमंद पसंद बनी हुई हैं।

रिपोर्ट की मानें तो 'टॉक्सिक' के लिए कियारा आडवाणी को 15 करोड़ फीस मिल रही है। हालांकि इस खबर में कितनी सच्चाई है ये कह पाना मुश्किल है। लेकिन अगर ये खबरें सही साबित होती हैं तो कियारा भी बॉलीवुड की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल हो जाएंगी। प्रियंका जहां 30 करोड़ ले रही हैं। वहीं दीपिका पादुकोण ने कल्कि 2898 एडी के लिए 20 करोड़ की रकम वसूली थी। अब कियारा ने 15 करोड़ वसूले हैं।

इतना ही नहीं कियारा के पास 'वॉर 2' भी है, जिसमें वह ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ काम करती हुई नजर आएंगी।

इन प्रोजेक्ट्स के साथ, 2025 उनके लिए एक बड़ा साल होने वाला है। हालांकि टॉक्सिक के लिए उनकी फीस के बारे में कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है। 'टॉक्सिक-ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' कियारा के करियर के लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है। फिल्म के लीड एक्टर यश की फैन फॉलोइंग बेहद कमाल की है।

उतार-चढ़ाव से भरा रहा मेरा करियर: शरवरी वाघ

अभिनेत्री शरवरी अभिनय के क्षेत्र में पांच साल का समय बिता चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने कई शानदार फिल्में दीं। उन्होंने बताया कि उनका सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है।

शरवरी ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत द फॉरगॉटन आर्मी - आजादी के लिए वेब सीरीज से की थी, जिसमें उनके साथ सनी कौशल मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद वह बंटी और बबली 2 में नजर आईं। धीमी शुरुआत के बाद अभिनेत्री मुंज्या, महाराज और वेदा जैसी हिट फिल्मों में काम कीं, जिन्हें काफी पसंद किया गया।

शरवरी ने बताया, मैं अपने सफर के लिए आभारी हूं, जो उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। मैंने हर दिन कुछ नया सीखा है। मुझे लगता है कि यह शुरुआत है। मुझे लंबा सफर तय करना है।

शिव रवैल के निर्देशन में तैयार अपकमिंग फिल्म 'अल्फा' में शरवरी वाघ अभिनेत्री आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगी।

कैट फूड शिबा के कैंपेन लॉन्च कार्यक्रम में हिस्सा लेने नई दिल्ली पहुंची शरवरी ने आलिया के साथ काम करने का अपना अनुभव भी साझा किया। शरवरी ने कहा, आलिया शानदार अभिनेत्री के साथ ही शानदार इंसान भी हैं और फिल्म में काम कर मुझे जो सबसे बड़ा फायदा मिला, यह था कि मुझे उनसे सीखने को मिला।

उन्होंने कहा, मुझे हर दिन सेट पर उनके साथ रहना एक मास्टर क्लास की तरह लगता था। मैंने उनसे जो कुछ भी सीखा है, उसे मैं अपने अगले हर प्रोजेक्ट में लागू करूंगी। मैं आलिया के साथ काम करने का यह अवसर पाकर आभारी हूं।

शरवरी की अपकमिंग फिल्म अल्फा के बारे में बता दें कि यह यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है। इसकी शुरुआत सलमान खान और कैटरीना कैफ की फिल्म टाइगर फ्रैंचाइज से हुई, पहले एक था टाइगर और उसके बाद टाइगर जिंदा है आई। इसके बाद वॉर, पठान और टाइगर 3 के साथ एक्शन और रोमांच का सफर जारी है। फ्रैंचाइज की आने वाली फिल्मों में अयान मुखर्जी के निर्देशन में तैयार वॉर 2, पठान 2 और टाइगर बनाम पठान शामिल हैं। 'अल्फा' क्रिसमस के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

विश्व को नया आकार देने वाले भू-राजनीतिक रुझानों से निपटना

अमिताभ कांत

ट्रम्प प्रशासन अपने दूसरे कार्यकाल में टैरिफ और 'अमेरिका को फिर से महान बनाने' की नीतियों पर दोगुना जोर दे रहा है। ट्रम्प प्रशासन अतीत के गठबंधनों को फिर से परिभाषित और पुनर्लेखन करने का काम भी कर रहा हैजिसकी गूंज यूरोप और एशिया में उनके सहयोगियों द्वारा महसूस की जा रही है। इन कदमों का उद्देश्य व्यापार संतुलन में सुधार और सार्वजनिक व्यय को कम करके अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। अमेरिका ने पेरिस समझौते वविश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से खुद को अलग कर लिया है। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) से भी वह पहले ही अलग हो चुका है। ये कदम वैश्विक भू-राजनीतिक व्यवस्था में एक शून्य पैदा कर रहे हैं। यह शून्य लंबे समय तक नहीं रहेगा-इसे प्रतिस्पर्धी शक्तियों द्वारा भरा जाएगा। अमेरिका सबसे शक्तिशाली बना हुआ है औरहम एक बार फिर एक बहुध्रुवीय दुनिया का उदय देख रहे हैं। विखंडित वैश्वीकरण, तकनीकी वर्चस्व की लड़ाई, ऊर्जा की भू-राजनीति और ढहता वैश्विक शासन विश्व को नया आकार देने वाले प्रमुख भू-राजनीतिक रुझान हैं जिनसे भारत को निपटना होगा।

जैसा कि हम जानते हैं, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के युग में हमने जो वैश्वीकरण का युग देखा था, वह समाप्त होने वाला है। वैश्विक वित्तीय संकट के बाद से, हमने वैश्वीकरण का विखंडन देखा है। व्यापार युद्धों ने इस विखंडन को और तेज़ कर दिया है। कोविड-19 महामारी ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारी व्यवधान पैदा कियाऔर इसके फलस्वरूप देशों और व्यवसायों को वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने के लिए प्रेरित किया। ट्रम्प प्रशासन द्वारा फिर से टैरिफ़ लगाने के साथ, व्यापार युद्धों का दूसरा युग हमारे सामने है। चाहे पारस्परिक हो या सभी टैरिफ़, व्यापार युद्ध विश्व व्यापार को बहुत ज़्यादा बाधित करेंगे। व्यापार युद्ध अब सिर्फ़ बिक्री की वस?तुओं के बारे में नहीं रह गए हैं। वे प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और औद्योगिक नीति जैसे कारकों को प्रभावित करते हैं। देश ऊर्जा और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक उद्योगों में संरक्षणवाद और क्षमताओं का निर्माण करने का सहारा ले रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के अधर में लटके होने के साथ, देश द्विपक्षीय या बहुपक्षीय व्यापार समझौतों की ओर तेज़ी से बढ़ रहे हैं। फ्रेंड-शोरिंग का उदय और वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने का लक्ष्य भारत के लिए अवसर प्रस्तुत करता है। हम सही नीतियों, रणनीतिक द्विपक्षीय व्यापार सौदों और व्यापार सुगमता पर ध्यान केंद्रित करके विनिर्माण के क्षेत्र में निवेश को आकर्षित कर सकते हैं।

प्रथम औद्योगिक क्रांति से लेकर चौथी तक वैश्विक शक्ति गतिशीलता को आकार देने में प्रौद्योगिकी प्रमुख प्रेरक शक्ति रही है। आज के युग में, सेमीकंडेक?टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और उभरती हुई प्रौद्योगिकियां प्रमुख प्रेरक शक्ति हैं। राष्ट्र तकनीकी संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए चिप निर्माण में अरबों रुपए डाल रहे हैं। एआईमें देशों और कंपनियों से समान रूप से बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है। साथ ही, साइबर युद्ध और एआईद्वारा उत्पन्न जोखिमों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। साइबर युद्ध पूरे ऊर्जा ग्रिड को बाधित कर सकता है या भुगतान और बैंकिंग प्रणालियों को प्रभावित कर सकता है। एआईद्वारा संचालित भ्रामक सूचना चुनावों को बाधित कर सकते हैं और सामाजिक कलह को जन्म दे सकते हैं। एआईको दुनिया भर के समुदायों द्वारा आकार दिया जाना चाहिए, स्वामित्व में लिया जाना चाहिए और तैनात किया जाना चाहिए। हमें कुशलता से नवाचार करना चाहिए, कम से कम में अधिक करना चाहिए, ओपन सोर्स और सरल इंजीनियरिंग को बढ़ावा देना चाहिए और बहुभाषी और मल्टीमॉडल मॉडल बनाना चाहिए। वैश्विक समुदाय को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रौद्योगिकी, नुकसान को सीमित करते हुए समावेशी हो। भारत मॉडल, जिसमें प्रौद्योगिकी का उपयोग विभाजन को बढ़ाने के बजाय उसे पाटने के लिए किया जाता है, दुनिया के लिए एक आदर्श हो सकता है।

स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव शक्ति गतिशीलता को फिर से परिभाषित कर रहा है। महत्वपूर्ण खनिजों (लिथियम, कोबाल्ट, दुर्लभ मृदा तत्वों) से समृद्ध राष्ट्र या इन महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण को नियंत्रित करने वाले देश अधिक प्रभावशाली बन रहे हैं। आज, लगभग ७०-८०प्रतिशतदुर्लभ मृदा तत्वों(आरईई) निष्कर्षण और प्रसंस्करण चीन द्वारा नियंत्रित किया जाता है। दुनिया के ८० प्रतिशतसौर सेल चीन द्वारा उत्पादित किए जाते हैंऔर इसी तरह लगभग ७० प्रतिशतइलेक्ट्रिक वाहन बैटरी भी चीन द्वारा उत्पादित की जाती हैं। चीन पहले से ही तकनीकी अपनाने के मामले में आगे है, ट्रम्प प्रशासन के तहत अमेरिका पेरिस समझौते से बाहर हो गया है और इसके बजाय वह जीवाश्म ईंधन विस्तार पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन के लिए बहुत बड़ा जोखिम पैदा करता है। विकसित राष्ट्र पहले ही वैश्विक कार्बन बजट का ८० प्रतिशतहिस्सा खर्च कर चुके हैंऔर जी7 देशों से कोयले का चरणबद्ध तरीके से उन्मूलन अब २०३० के बजाय २०35 तक होगा। इसके अलावा, विकसित राष्ट्र विकासशील देशों को जलवायु वित्त और प्रौद्योगिकी प्रदान करने की अपनी जिम्मेदारी में विफल हो रहे हैं। इससे विकासशील देशों के लिए अपनी विकास महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बहुत कम जगह बचती है। स्वच्छ ऊर्जा की ओर हमारी दौड़ को वैश्विक गठबंधनों के नए रूपों की आवश्यकता है। देशों को अगली पीढ़ी के सौर पैनल, इलेक्ट्रोलाइजऱ और वैकल्पिक सेल केमिस्ट्री (एसीसी) बैटरी जैसी तकनीक पर सहयोग करना चाहिए। भारत को निर्णायक रूप से कार्य करना चाहिए, ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में अपने घरेलू इकोसिस्टम का निर्माण जारी रखना चाहिए। हमें प्रसंस्करण और शोधन के लिए क्षमताओं का विकास करते हुए महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए व्यापार साझेदारी भी सुरक्षित करनी चाहिए।

ऐसे समय में जब वैश्विक सहयोग की सबसे अधिक आवश्यकता है, हमारे पास जो संरचनाएं हैं, वे विफल हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है। वैश्विक तापमान पहले ही 1.5 डिग्री सेल्सियस के सीमा को पार कर चुका है। ग्लोबल साउथ,अपने प्रतिनिधित्व और अपनी प्राथमिकताओं दोनों के मामले में हाशिये पर है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गतिरोध बना हुआ है, विश्व व्यापार संगठन में विवाद समाधान तंत्र का अभाव है और कॉप29बहुत जरूरी जलवायु वित्त पोषण प्रदान करने में विफल रहा है। यूक्रेन से लेकर गाजा और सूडान तक, दुनिया भर में संघर्ष बढ़ रहा है। जैसा कि पीएम मोदी ने बार-बार कहा है, जलवायु परिवर्तन, महामारी और वित्तीय अस्थिरता की आज की चुनौतियां राष्ट्रीय सीमाओं को नहीं देखती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि हम पुरानी संस्थाओं के साथ 21वीं सदी की चुनौतियों से नहीं लड़ सकते। एक नए वैश्विक शासन ढांचे की आवश्यकता है जो ग्लोबल साउथको अपने केंद्र में रखे और यह स्वीकार करे कि दुनिया अब कुछ चुनिंदा शक्तियों का क्षेत्र नहीं है। यह क्षण भारत के लिएएक वैकल्पिक वैश्विक आर्थिक मॉडल को आकार देने और अधिक समावेशी अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली की वकालत करने काएक अवसर है।आने वाला दशक वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के भविष्य को आकार देगा। भारत उभर रहा है और वैश्विक मंच पर एक व्यावहारिक नेता के रूप में अपनी स्थिति बना रहा है। हम ग्लोबल साउथके लिए महत्वपूर्ण मुद्दों को सामने ला रहे हैंजबकि वैश्विक संघर्ष पर एक समझौतावादी रुख अपना रहे हैं। प्रधानमंत्री का हालिया बयान कि हमें मतभेद के बजाय संवाद पर जोर देना चाहिए, ने वैश्विक स्तर पर एक गूंज पैदा की है। भारत का कूटनीतिक संतुलन इस युग की एक परिभाषित विशेषता बन रहा है।

लेखक भारत के जी२० शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ हैं। व्यक्त किए गए विचार व्यक्तिगत हैं।

सू- दोकू क्र.85

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.84 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

गर्मी आते ही जल संकट की आहट !

कुमार अनिल

गर्मी का मौसम अभी ढंग से शुरू भी नहीं हुआ है कि देश के कई हिस्सों में जल संकट की आहट सुनाई देने लगी है। मराठवाड़ा, विदर्भ, राजस्थान, तेलंगाना में जल संकट साफ तौर पर देखा जा सकता है। आइटी शहर के नाम से पहचाने जाने वाला बेंगलूरु तो भीषण जल संकट की चपेट में आ गया है। इस शहर में पानी के लिए लंबी-लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई हैं। मुख्यमंत्री निवास का बोरवेल भी सूख चुका है और वहां टैंकर के जरिए पेयजल आपूर्ति हो रही है। बेंगलुरु से लोगों के पलायन की खबरें हैं। प्रॉपर्टी और घरों की खरीद और बिक्री कम हो गई है। आईटी कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम की मांग कर रहे हैं। दरअसल,जैसे-जैसे गर्मी परवान चढ़ेगी, देश के तमाम शहर बेंगलूरु की तरह पेयजल संकट का शिकार होते जाएंगे। हर जेहन में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर भूजल का स्तर लगातार क्यों घटता जा रहा है। इस सवाल का जवाब भी शायद सब जानते हैं, लेकिन पानी बचाने में योगदान नहीं देते। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि पानी का उत्पादन नहीं हो सकता, सिर्फ बरसात के पानी का सही संरक्षण ही हमें पेयजल संकट से बचा सकता है। बेंगलूरु से चौदह सौ किलोमीटर की दूरी पर स्थित मध्यप्रदेश के झाबुआ के स्थानीय लोगों ने प्राचीन परंपरा 'हलमा' को पुनर्जीवित करते हुए इलाके में १०8 तालाबों का निर्माण कर डाला,जो झाबुआ कभी पानी की किल्लत से परेशान रहता था, उसी इलाके में स्थानीय लोग एक वर्षाकाल में 15०० करोड़ लीटर पानी सहेज रहे हैं। समझने की बात यह है कि झाबुआ के लोगों ने पानी के मोल को न सिर्फ समझा बल्कि उसके लिए प्रयास भी किए। ऐसे प्रयास बेंगलूरु में क्यों नहीं हुए? बोरवेल खोदकर जमीन के पानी का दोहन करना कितनी समझदारी मानी जा सकती है। देश में वर्षा जल के संरक्षण की कई योजनाएं चल रही हैं। केन्द्र और राज्य सरकारें हर साल अरबों रुपए जल संरक्षण पर खर्च कर रही हैं। सरकारी आंकड़ों पर भरोसा कर लिया जाए तो देश में हर साल इतना पानी बचाया जा सकता है कि इसका संकट होना ही नहीं चाहिए। बड़े शहरों की गगनचुंबी इमारतों में जल संरक्षण के लिए जरूरी इंतजाम करने की बाध्यता है, लेकिन ईमानदारी से पड़ताल की जाए तो वहां भी पोल ही निकलेगी।

सब जानते तो हैं कि 'जल है तो कल है', लेकिन उस पर अमल नहीं करते। आंकड़े बताते हैं कि हर साल अरबों-खरबों लीटर पानी व्यर्थ चला जाता है। नदियों के जल विवाद को लेकर राज्यों के बीच टकराव के किस्से भी नए नहीं हैं। बेंगलूरु का पेयजल संकट सबके लिए चेतावनी है। सरकारें तो इस दिशा में काम कर ही रही हैं, लेकिन हम इस दिशा में क्या कर रहे हैं? क्या पानी बचाने में हमारा योगदान नहीं होना चाहिए ? ये सवाल हर व्यक्ति को अपने आप से पूछने चाहिए। जल संकट को हल करने वाला जवाब उसके भीतर से ही निकलेगा। दरअसल, भूजल की वर्तमान स्थिति को सुधारने के लिये भूजल का स्तर और न गिरे इस दिशा में काम किए जाने के अलावा उचित उपायों से भूजल संवर्धन की व्यवस्था हमें करनी होगी। इसके अलावा, भूजल पुनर्भरण तकनीकों को अपनाया जाना भी आवश्यक है। वर्षाजल संचयन (रेन वॉटर हार्वेस्टिंग) इस दिशा में एक कारगर उपाय हो सकता है। हाल के वर्षों में, सुदूर संवेदन उपग्रह-आधारित चित्रों के विश्लेषण तथा भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) द्वारा भूजल संसाधनों के प्रबन्धन में मदद मिली है। भूजल की मॉनिटरिंग एवं प्रबन्धन में भविष्य में ऐसी समुन्नत तकनीकों को और बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। बड़ी संख्या में पौधारोपण करके उन्हें संरक्षित करना भी जरूरी है। इनके अलावा स्टॉप डेम, छोटे तालाब भी भूजल स्तर ऊपर करने में मदद कर सकते हैं। सरकारी प्रयासों के अलावा इस मामले में जन भागीदारी बेहद आवश्यक है। कॉर्पोरेट घरानों को इस अभियान में शामिल किया जा सकता है। जल संकट के दीर्घकालिक और ठोस उपाय हमें करने होंगे। टैंकर और हैंड पंप जल संकट का स्थाई समाधान नहीं हैं। जाहिर है सम्मिलित प्रयास ही इस दिशा में सफलता दिला सकते हैं।

स्मैक के साथ भाई बहन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ भाई बहन को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने पंजकोटी तिराहे से जंगलात चौकी की तरफ जाने वाले रास्ते पर एक महिला व पुरूष को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उनको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह जंगल की तरफ भाग खडे हुए। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने दोनों के कब्जे से 20.15 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम सैनिक नाथ पुत्र केवल नाथ व अंजली पत्नी अरूण दोनों निवासी सपेरा बस्ती जौलीग्रांट बताया। पकडे गये दोनों आरोपी आपस में भाई बहन हैं।

वेतन मांगने पर मारपीट कर तानी बन्दूक

संवाददाता

देहरादून। वेतन मांगने पर मारपीट कर बन्दूक तानने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार थत्यूड टिहरी गढवाल निवासी जसवीर पंवार ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह 4 महिने से राजपुर रोड में मेंकूबा लॉज में काम कर रहा था हाल ही में उसके लॉज के मालिक से बात हुयी थी जिसमें मालिक ने उससे धक्का मुक्की करी और उसपर जानलेवा हमला करा जब उसने उनसे पूछा कि उस पर क्यूं हमला कर रहे हो तो उन्होंने बन्दूक निकाली और उसके सिर और नाक पर हमला करा जिसके चलते उसकी नाक में चोट आ गयी है और उसके सिर पर अन्दरुनी चोट आयी है और इन्होंने उसको साथ में यह भी धमकी दी है कि उसको जान से मार देगा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

हास्टल से छात्र लापता

संवाददाता

देहरादून। हास्टल से छात्र के लापता होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवालिक कालेज ऑफ इंजीनियरिंग के हास्टल वाईन प्रेमसिंह रावत ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके हास्टल में रहने वाला छात्र आशुतोष पान्डे पुत्र सन्तोष पान्डे बीटेक सीएससी बेब प्रथम वर्ष का छात्र जो कि हास्टल में में रहता है। रात्रि में छात्रो की उपस्थित लेते समय ये छात्र अपने कमरे में नहीं मिला, तब इसको फोन किया, लेकिन इसने फोन का जबाब नहीं दिया जबकि कॉल जा रही थी, उसके बाद इनके पिता को इनका हास्टल में अनुपस्ति होने की सूचना दी गयी दूसरे दिन उसने गेट पर बाहर जाने की बायोमट्रीक पंन्च कोर वीडियो देखी गयी ये सांय को पौने पांच बजे पर बाहर गये, और उसके बाद वापस हास्टल में नहीं आये, इनको कई वार फोन किया गया लेकिन इन्होने कोई जवाव नही दिया जवकि कॉल लगातार जा रही थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजपुर थाना पुलिस ने काठबंगला के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 60 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम हरविन्दर सिंह पुत्र मनजीत सिंह निवासी काठबंगला बताया। वहीं नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने गणेश विहार से एक व्यक्ति को 52 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया। जिसने अपना नाम राजकुमार पुत्र भगवानदीन निवासी नई बस्ती रेसकोर्स बताया।

अपने आचरण और सेवा में सुधार करने.. ◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

उन्होंने कहा कि आज जबकि अधिकांश लोगों के पास निजी वाहन हैं, इसके बावजूद गढ़वाल मोटर्स की बसों में यात्रियों की भीड़ यह दर्शाती है कि जनता का इस संस्था में आज भी विश्वास और जुड़ाव बना हुआ है। उन्होंने कहा कि समय की मांग है कि हम इस ऐतिहासिक संस्था को आधुनिकता से जोड़ें जैसे कि ऑनलाइन टिकटिंग सुविधा, स्वच्छ और आरामदायक बसें, तथा शिष्ट और प्रशिक्षित चालक। इस प्रकार की सकारात्मक पहलें संस्था की निरंतरता और विश्वसनीयता बनाए रखेंगी। अपने बचपन को स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि, जब हम दिल्ली से कोटद्वार और फिर यहां से पौड़ी आते थे, तब गढ़वाल मोटर्स की बसों में किया गया सफर आज भी स्मृतियों में जीवंत है। तब सड़कें बहुत अच्छी नहीं हुआ करती थीं, फिर भी यात्राएं होती थीं। आज सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन आवश्यकता है कि हम अपने आचरण और सेवा में सुधार करें ताकि यह संस्था और अधिक समय तक जनसेवा करती रहे। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष विकासदीप मित्तल, अध्यक्ष भास्करानंद भारद्वाज, डायरेक्टर बलराज सिंह रावत, संदीप अग्रवाल, गणेश जुयाल, गजे सिंह, अर्जुन सिंह, सुरेंद्र सिंह रावत, बच्ची पुंडीर, महराज सिंह रावत सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पंकज क्षेत्री बने युवा इंटक के प्रदेश अध्यक्ष

संवाददाता

देहरादून। इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हीरा सिंह बिष्ट ने डीएवी कालेज के पूर्व छात्र संघ व अधिवक्ता पंकज क्षेत्री को युवा इंटक का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया।

आज यहां इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस (इंटक) के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री हीरा सिंह बिष्ट द्वारा प्रदेश मुख्यालय कांग्रेस भवन में स्थित इंटक कार्यालय में एक सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में इंटक के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभा के दौरान प्रदेश अध्यक्ष हीरा सिंह बिष्ट ने डीएवी महाविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष एवं अधिवक्ता पंकज सिंह क्षेत्री को युवा इंटक (राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस) का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया। पंकज क्षेत्री छात्र जीवन से ही सामाजिक कार्यकर्ता और कांग्रेस से जुड़े रहे हैं। शिक्षा, युवा, रोजगार और जन सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर संघर्ष से उन्होंने अपनी पहचान बनाई है। इस अवसर पर बिष्ट ने कहा, प्रदेश युवा इंटक अध्यक्ष के रूप में आप अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए श्रमिकों के शोषण और अत्याचार के खिलाफ प्रभावी संघर्ष करेंगे। साथ ही, उन्हें न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके अतिरिक्त, शीघ्र ही युवा इंटक की प्रदेश कार्यकारिणी का गठन करना भी सुनिश्चित करें। इस मौके पर युवा इंटक के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह क्षेत्री ने प्रदेश अध्यक्ष हीरा सिंह बिष्ट के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा, मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे मैं कर्तव्यनिष्ठा के साथ पूरा करूंगा। मजदूरों को संगठित कर उनके हितों के लिए कार्य करना, उत्तराखंड में संगठित व असंगठित क्षेत्रों से जुड़े युवाओं को एकजुट कर उनके हितों की रक्षा करना मेरा लक्ष्य होगा। हाल ही में राजपुर रोड पर एक मर्सिडीज कार द्वारा मजदूरों की कुचलकर हुई मौत के मामले में, उनके परिवारजनों को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान कर उचित मुआवजा दिलाने की दिशा में काम किया जाएगा। साथ ही, एक हेल्पलाइन नंबर जारी कर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत युवा कामगारों को जोड़कर संगठन को मजबूत किया जाएगा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अनिल कुमार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता विनोद चौहान, पूर्व सचिव श्री तेजेंद्र रावत, जिलाध्यक्ष हरिद्वार उदय पुंडीर, प्रदेश कार्यालय प्रभारी विक्टर थॉमस, शुभम बिष्ट, अभिनय बिष्ट, आशीष गुंसाई, विकास राज, रूपेंद्र कुमार, आदित्य, ललित, कार्तिक सहित अन्य व्यक्ति उपस्थित रहें।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर निःशुल्क रक्तदान शिविर का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर भारतीय रेडक्रास सोसाइटी के द्वारा निःशुल्क रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

आज यहां विश्व स्वास्थ्य दिवस एवं रामनवमी के उपलक्ष में भारतीय रेडक्रास सोसाइटी उत्तराखंड शाखा एवं स्थानीय पार्षद सुमेन्द्र सिह बोरा के संयोजकत्व मे नगर निगम देहरादून के वार्ड नंम्बर एक के बगरियाल गांव में निःशुल्क रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में लगभग 60 स्वयंसेवियों ने रक्तदान किया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत भारतीय रेडक्रास सोसाइटी उत्तराखंड शाखा द्वारा राजकीय दून मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों की टीम की देखरेख में प्रातः दस बजे से बघरियाल गांव में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 60 लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर भारतीय रेडक्रास सोसाइटी उत्तराखंड शाखा कोषाध्यक्ष मोहन सिंह खत्री ने रक्तदान का महत्व बताते हुए कहा कि रक्तदान जीवन दान देने जैसा है। समय पर रक्त की एक बूंद से किसी जरूरतमंद इंसान की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेडक्रास सोसाइटी उत्तराखंड शाखा द्वारा कोरोना काल में 8 मई 2020 को रेडक्रास दिवस से रक्तदान शिविरों का आयोजन शुरू किया गया था तथा कोरोना जैसी महामारी में जब लोग रक्त के लिए भटकते थे तब ये कई लोगों का सहारा बने। यह रक्तदान शिविर भारतीय रेडक्रास सोसाइटी उत्तराखंड शाखा का 100वां रक्तदान शिविर है।रक्तदान करने वालों में स्थानीय पार्षद सुमेन्द्र सिंह बोरा, राहुल बगरियाल, नवीन थापली, राहुल भंडारी, मुकुल बगरियाल, दीपक बगरियाल, लेखराज खरोला, सचिन कुमार, अमित थापली, नवीन बगरियाल, सोभित खरोला, रोहित क्षेत्री, अनिल खरोला, रिशभ बगरियाल, नितीश कोटाल, नीता बिष्ट, निर्मल असवाल, सोमन्ती रावत आदि लोग शामिल थे। इस अवसर पर पूर्व प्रधान आनन्द सिंह मकडेती, पूर्व प्रधान कुल्वेन्द्र सिंह बोरा, रविन्द्र खरोला, शेर सिंह बगरियाल, जिला रेडक्रास सचिव कल्पना विष्ट, योगेश अग्रवाल, पुष्पा भल्ला आदि उपस्थित थे। भारतीय रेडक्रास सोसाइटी जिला शाखा के पदाधिकारियों द्वारा रक्तदान करने वालों को प्रमाण पत्र दिये गये तथा पूर्व प्रधान कुल्वेन्द्र सिंह बोरा एवं स्थानीय ग्रामीणों द्वारा श्री मोहन सिंह खत्री के सराहनीय कार्यों के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए शॉल ओडाकर सम्मानित किया।

पासिंग आउट के बाद आईटीबीपी में शामिल हुए 36 नए अधिकारी

हमारे संवाददाता

देहरादून। भारत तिब्बत सीमा पुलिस में आज 36 नए युवा अधिकारी शामिल हो गए हैं। आज मसूरी में पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। जिसमें अंतिम पग भरते ही यह अधिकारी आईटीबीपी की मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। इसमें 27 सहायक सेनानी/जीडी और छह माह के कठिन प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद एक उप सेनानी/ वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी व आठ सहायक सेनानी/चिकित्सा अधिकारी हैं, जिनमें चार महिला चिकित्सा अधिकारी भी हैं।

दीक्षांत व शपथ ग्रहण समारोह में युवा अधिकारियों ने संविधान एवं बल के प्रति निष्ठा व समर्पण की शपथ ली। प्रशिक्षण के दौरान इन अधिकारियों को विभिन्न ऑपरेशनल एवं प्रशासन से संबंधित विषयों जैसे युद्ध कौशल, शस्त्र संचालन, शारीरिक प्रशिक्षण, आसूचना, फील्ड इंजीनीयरिंग, मानचित्र अध्ययन, कानून व मानवाधिकार से संबंधी विषयों का गहन प्रशिक्षण दिया गया है। परेड में आईटीबीपी के अपर महानिदेशक, वैस्टर्न कमांड, संजय कुमार चौधरी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने पास आउट होने वाले सभी अधिकारियों को बल की मुख्य धारा में शामिल होने पर बधाई दी। कहा कि भारत तिब्बत सीमा पुलिस की अग्रिम चौकियां 9000 से 18750 फीट की ऊंचाई पर स्थित हैं। जहां तापमान माइनस 45 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। इन अग्रिम चौकियों पर अत्यन्त चुनौती पूर्ण भौगोलिक वातावरण, यहां तैनात अधिकारियों से, असाधारण धैर्य, त्याग और साहस की मांग करता है। कहा कि उन्हें विश्वास है नए युवा अधिकारी अपने साहस से चुनौतियों को पार करेंगे। कहा कि आईटीबीपी का इतिहास गौरवशाली रहा है। बल को नए अधिकारियों से बहुत अपेक्षाएं हैं, प्रशिक्षण काल में प्राप्त प्रशिक्षण से अधिकारी हर चुनौती का सामना करने में सक्षम होगें। युवा अधिकारी के नाते बल की पुरानी परंपराओं के निर्वहन के साथ-साथ बल में नए विचारों का भी समावेश करें।

एक नजर

फैक्ट्री में आग, दो की मौत

हमारे संवाददाता

देहरादून। धर्मनगरी हरिद्वार में बीती रात एक कैमिकल फैक्ट्री में आग लगने से करोड़ों का नुकसान हो गया। वहीं दो लोग जिन्दा जल गये तथा एक की हालत गम्भीर बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार बहादराबाद के पथरी बाग में बीती देर रात एक कैमिकल फैक्ट्री में आग लग गयी। कैमिकल फैक्ट्री में अति ज्वलनशील पदार्थो के होने के कारण आग ने कुछ ही पलो में इतना विकराल रूप ले लिया कि फैक्ट्री के अन्दर काम कर रहे लोगों को भागने का मौका भी नहीं मिल सका और देखते ही देखते फैक्ट्री धूं-धूं कर जलने लगी। आग लगने की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम को इस आग पर काबू पाने में 10 घंटे से भी अधिक का समय लग गया।

❑एक घायल की हालत गम्भीर, 10 घंटे लगे आग बुझाने में और भी शव मिलना संभव

फैक्ट्री के कर्मचारियों द्वारा दी गयी जानकारी के बाद पुलिस और दमकल विभाग को कुछ लोगों के अंदर फंसने की जानकारी दी गयी थी। लेकिन आग के विकराल रूप लेने से फंसे हुए लोगों की कोई जानकारी तत्काल नहीं मिल सकी। आज सुबह आग बुझ जाने के बाद जेसीबी से जब मलवा हटाने का काम जब शुरू हुआ तब दो लोगों के शव बरामद हुए तथा एक व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल अवस्था में मिला। मृतको की तत्काल शिनाख्त नहीं हो सकी है क्योकि इनके शव बुरी तरह जले हुए है। पुलिस द्वारा शवो को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है। इस घटना के कारणों का भी पता नहीं चल सका है। समाचार लिखे जाने तक मलबा हटाने का काम जारी था तथा मलबे में अभी भी कुछ और शव मिल सकते है। आग इतनी भयंकर थी कि पूरी फैक्ट्री जलकर राख हो गयी तथा करोड़ो के नुकसार की बात कही जा रही है।

खनन ने एक और को पहुंचाया यमलोक

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। खनन सामग्री से भरे एक और डम्पर ने बाइक सवार युवक को अपनी चपेट में लेकर यमलोक पहुंचा दिया है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पीड़ित परिजनो के साथ हंगामा करते हुए डम्पर पर पथराव कर उसके शीशे तोड़ डाले वही सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में ले लिया।

विदित हो कि बीती 24 मार्च को राजधानी देहरादून क्षेत्रांतर्गत लच्छी वाला टोल प्लाजा पर खनन से भरे एक डम्पर की चपेट में आकर कार सवार दो लोगों की मौत हो गयी थी। इससे पूर्व भी इन खनन के ट्रको की चपेट में आकर कई लोग काल के गाल में समा चुके है।

खनन सामग्री से भरे डम्पर की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की मौत का ताजा मामला धर्मनगरी हरिद्वार के भगवानपुर थाना क्षेत्र के दादूवास रोड का है। जानकारी के अनुसार भगवानपुर थाना क्षेत्र के मानुवास में दादूवास रोड में एक डंपर खनन सामग्री भरकर आ रहा था तभी उस डंपर ने बाइक सवार 35 वर्षीय परीक्षित पुत्र महिपाल निवासी मानुवास को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया।

वहीं मौत की खबर सुनते ही परिजन और ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। गुस्साए ग्रामीणों ने मौके पर जमकर हंगामा किया और डंपर में तोड़फोड़ का प्रयास किया और पथराव करते हुए उसके शीशे फोड़ दिए। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामला शांत कराया गया।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को दिए निर्देश

जनसेवाओं में दें विशेष जोर

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को जनसेवाओं में सुधार, सड़कों की मरम्मत, पेयजल आपूर्ति व वन अग्नि नियंत्रण पर दिया जाए विशेष जोर देने के निर्देश दिये।

आज यहां सभी जिलाधिकारी अपने जनपदों में पब्लिक सर्विस डिलीवरी, सड़कों को गड्ढा मुक्त करने, पेयजल आपूर्ति बनाये रखने और वन अग्नि पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विशेष ध्यान दें।

यह निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास से सभी जिला अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक के दौरान दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिक्रमण के विरुद्ध नियमित अभियान चलाया जाय। जनपदों में खाद्य पदार्थों की नियमित सैंपलिंग की जाए। बरसात से पहले रिवर ड्रेजिंग और नालों की सफाई की का कार्य पूर्ण किया जाए। जन शिकायतों का जल्द समाधान हो इसके लिए नियमित जनता दरबार, तहसील दिवस, बीडीसी की बैठकों का आयोजन किया जाए और ब्लॉक स्तर तक नियमित बहुउद्देशीय शिविर लगाए जाए। वन अग्नि पर प्रभावी नियंत्रण के

लिए रिस्पांस टाइम कम से कम किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी चार धाम यात्रा की दृष्टिगत सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। यात्रा मार्ग से जुड़े सभी जनपदों में कंट्रोल रूम पूर्ण रूप से सक्रिय रखे जाएं। यात्रा के दौरान सुव्यवस्थित ट्रैफिक प्लान और श्रद्धालुओं की मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। जिलाधिकारी नियमित मार्गो का स्थलीय निरीक्षण भी करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी जनपदों में 15 दिन के अंदर सभी सड़के गड्ढा मुक्त हो जाएं। जिलाधिकारी अपने जनपदों की मुख्य समस्याओं को चिन्हित कर उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों की टीम बनाकर समस्याओं का यथाशीघ्र समाधान करना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए की एक ही स्थान पर 3 साल से अधिक समय से तैनात कार्मिकों के ट्रांसफर की जल्द कार्यवाही की जाए। ग्रीष्मकाल के दृष्टिगत जनपदों में पेयजल की सुचारू आपूर्ति की व्यवस्था की जाए, आवश्यकता पड़ने पर पेयजल टैंकरों की पूर्ण व्यवस्था रखी जाए। विद्युत आपूर्ति को सुचारू रखने के लिए सभी व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं। केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का आम जन को पूरा लाभ मिले, इसके लिए योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ ही सभी पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिया जाए।

बैठक में अपर मुख्य सचिव आर. के सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय, अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी अंशुमन,उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी, वर्चुअल माध्यम से कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत और सभी जिलाधिकारी उपस्थित थे।

कूड़े के ढेर में आग लगने से कार जलकर स्वाह

देहरादून (सं)। कूड़े के ढेर में आग लगने से स्मार्ट सिटी के पाइप व कार जलकर स्वाह हो गयी। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंच आग पर काबू पाया। आज प्रातः थाना वसंत विहार तथा फायर स्टेशन देहरादून को सूचना प्राप्त हुई की जीएमएस रोड में एक खाली प्लॉट पर कूड़े के ढेर में आग लग गई है, जिसकी चपेट में आने से प्लॉट के पास रखें स्मार्ट सिटी के कुछ पाइप तथा एक आल्टो कार जल गई है। उक्त सूचना पर तत्काल थाना बसंत विहार से पुलिस बल तथा फायर स्टेशन देहरादून से दमकल के वाहन मौके पर पहुंचे तथा प्लॉट पर लगी आग पर काबू पाया गया। घटना की प्रारंभिक जांच में प्रथमदृष्टया कूड़े के ढेर में लगी आग की फैलने से पास पड़े स्मार्ट सिटी के पाइप तथा उक्त आल्टो कार का उसकी चपेट में आना प्रकाश में आया है।

ट्रक के नीचे आने से पिता पुत्र की मौत

देहरादून (सं)। ट्रक के नीचे आने से पिता पुत्र की मौत हो गयी। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चमनपुरी कालोनी माजरा निवासी मौहम्मद नईम अपने पुत्र मौहम्मद समिर के साथ मोटरसाईकिल से नेपाली फार्म की तरफ जा रहे थे जब वह छिद्दरवाला रेड लाईट से कुछ आगे पहुंचे तभी एक कार ने मोटरसाईकिल को टक्कर मार दी जिससे पिता पुत्र सडक पर गिर गये और पीछे से तेज गति से आ रहे ट्रक के पहियों के नीचे आ गये जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गयी।

जली हुई कार में महिला का कंकाल मिलने से सनसनी, हत्या की आशंका

हमारे संवाददाता

चमोली। जली हुई कार में महिला का कंकाल मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। वहीं स्थानीय लोगों द्वारा महिला की हत्या की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार तपोवन क्षेत्र में नीती-मलारी बॉर्डर रोड पर शनिवार देर रात एक जली हुई कार से महिला का कंकाल बरामद हुआ है, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। कार कर्नाटक नंबर की मारुति रिट्ज है और बेंगलुरु निवासी एक व्यक्ति के नाम पर पंजीकृत है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। कार के अंदर महिला का जला हुआ कंकाल मिलने के बाद प्रथम दृष्टया यह आशंका जताई जा रही है कि युवती की हत्या कर उसे कार सहित आग के हवाले कर दिया गया। महिला के साथ देखा गया युवक फिलहाल फरार है और पुलिस उसे मुख्य संदिग्ध मान रही है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि शनिवार को एक युवक और युवती कर्नाटक नंबर की कार में क्षेत्र में घूमते नजर आए थे। शुक्रवार को भी यह कार जोशीमठ क्षेत्र में देखी गई थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने महिला के कंकाल को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और लापता युवक की तलाश तेज कर दी है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।